मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2020-22 /R.N.I. No. 2022007062

लखानी के मज़दूर, देश के श्रम क़ानून लागू कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं 2
मोदी हटाओ देश बचाओ अभियान से घबराई खट्टर सरकार 4
अडानी की जांच से नेताओं में घबराहट क्यों है? 5
इतिहास के मामले में मान लिया है पाकिस्तान को आदर्श 6
निगम अधिकारियों की लूट-कमाई का मोटा साधन है अवैध निर्माण 8

वर्ष 37 | अंक 23 | फरीदाबाद | 16-22 अप्रैल 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

धर्म की आड़ में अम्मा की दुकान, जिसका मोदी ने किया था गुणगान

अम्मा अस्पताल ने आठ घंटे में बना दिया नौ लाख का बिल

-परिवार वालों का आरोप मरने के बाद भी अस्पताल प्रशासन मांगता रहा पैसा

- मंदिर से अम्मा का चित्र हटाने की धमकी दी तो प्रबंधन ने माफ किया बिल

मज़दूर मोर्चा

फरीदाबाद। एशिया के सबसे बड़े अमृता अस्पताल में चाकूबाजी में घायल युवक के आठ घंटे के इलाज का बिल नौ लाख रुपये बना दिया गया। परिवार वालों का आरोप है कि युवक तो अस्पताल लाए जाने के कुछ देर बाद ही मर गया था लेकिन अस्पताल वालों ने पैसा खींचने के लिए उसे आठ घंटे से ज्यादा भर्ती रखा। जब लोगों ने अस्पताल की मालिक मां अमृतानंदमयी का गांव के मंदिर में लगा बड़ा चित्र हटाने की धमकी दी तो अस्पताल प्रबंधन हरकत मे आया और बिल माफ किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमृता अस्पताल का उद्घाटन करते समय की गई घोषणा कि यहां गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार की सुलभ सेवा और प्रभावी

अस्पताल की संस्थापक अम्मा जी

मृतक यादराम का भाई

इलाज होगा भी जुमला ही साबित हुई। दरअसल निकट के पलवली गांव में मंगलवार सुबह दो पक्षों में मारपीट हुई थी। मारपीट में चाकू लगने से एक पक्ष के यादराम, उनके पिता तुलीराम और माता ओमवती गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पास ही होने के कारण परिजन तीनों को अमृता अस्पताल ले गए।

बड़े भाई प्रेमचंद का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत ही एक लाख रुपये जमा करवाए और तीन लाख रुपये पूरा खर्च बताया। थोड़ी ही देर बाद फिर से बताया गया कि नौ लाख रुपये का खर्च है और पच्चीस यूनिट खून लगेगा। अस्पताल वालों ने यह भी दावा किया कि पंद्रह यूनिट खून तो वह चढ़ा चुके हैं। इसके बाद अस्पताल वालों ने खून तो नहीं मांगा लेकिन बार बार रुपये जमा करवाने के लिए बुलाया जाने लगा लेकिन यादराम को दिखाया नहीं गया। उनका आरोप है कि यादराम की मृत्यु तो दस बजे के करीब ही हो गई थी लेकिन नौ लाख रुपये खींचने के लिए अस्पताल वालों ने उसकी बॉडी को बंद रखा। रिश्तेदार और पेशे से फार्मासिस्ट नितेश कुमार ने आठ घंटे में नौ लाख रुपये का बिल बनाए जाने पर सवाल उठाए लेकिन उन्हें उत्तर नहीं मिला।

यादराम का तो यह भी आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने पैसा खींचने के लिए बिना सहमति के ही उनकी माता ओमवती का सीटी स्कैन कर दिया। माता-पिता के इलाज का बिल अलग से करीब साठ हजार रुपये बताया गया। अस्पताल परिसर मे इकट्ठा तीमारदारों में इस बात को लेकर रोष था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन करते हुए जुमला फेका था कि अस्पताल खुलने से पलवली और आसपास के गांव वालों को सस्ता इलाज मिलेगा।

शेष पेज तीन पर

बल्लबगढ़ तहसील के अधिकारी करवा रहे साइबर ठगी

रजिस्ट्री करने वाले लोगों के अंगूठे की छाप और आधार नंबर का इस्तेमाल कर खाली करवा रहे उनके खाते

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) बल्लभगढ़ तहसील में रजिस्ट्री कराने वाले अधिकारी व कर्मचारी साइबर ठगों के साथ मिल कर लोगों के बैंक अकाउंट खाली करवा रहे हैं। यहां रजिस्ट्री करने वाले अनेक लोगों के अंगूठे की छाप और आधार नंबर के जरिए उनके बैंक खातों से दस-दस हजार रुपये करके लाखों रुपये निकाले जा चुके हैं। अभी तक मिली सूचना के अनुसार इस साइबर ठगी में बल्लभगढ़ तहसील का स्टाफ शामिल है।

यह आरोप हैं सेक्टर 29 निवासी लोकेश राघव और सेक्टर 28 निवासी कपिल कुमार जिंदल के। इन दोनों ने बल्लभगढ़ तहसील में जमीन की रजिस्ट्री कराई थी, इसके बाद से उनके बैंक खातों से 80 हजार रुपये निकल गए। कपिल कुमार जिंदल ने बताया कि उन्होंने बल्लभगढ़ तहसील में 5 सितंबर 2022 को जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। 23 सितंबर की सुबह करीब छह बजे उनके मोबाइल पर बैंक खाते से दस हजार रुपये निकाले जाने का मैसेज आया। उन्होंने बैंक जाकर पता किया तो बताया गया कि दस-दस हजार रुपये करके छह बार में उनके खाते से साठ हजार रुपये निकाले गए हैं। उन्होंने बैंक कर्मचारियों को बताया कि उन्होंने यह रकम न तो किसी को ट्रांसफर की है और न ही एटीएम के जरिए निकाली है। बैंक कर्मियों ने ट्रांजेक्शन जांच के बाद बताया कि रकम बैंक सुविधा केंद्र से आधार नंबर के जरिए अंगूठा लगाकर निकाली गई हैं।

स्नातक कपिल कुमार के मुताबिक उनके पास एटीएम, मोबाइल बैंकिंग की सुविधा है, वह हस्ताक्षर करते हैं कभी अंगूठा नहीं लगाते। उनकी ही तरह बल्लभगढ़ तहसील में रजिस्ट्री कराने वाले लोकेश राघव के दो बैंक खातों से दस-दस हजार रुपये निकल गए। उन्होंने अकाउंट ब्लॉक करवाया और बैंक में जाकर रुपये निकलने की शिकायत दर्ज कराई। उन्हें भी बैंक अधिकारियों ने आधार नंबर और अंगूठा लगाकर रकम निकाले जाने की बात बताई।

इन दोनों का कहना है कि जमीन की रजिस्ट्री करने वाले का अंगूठा स्कैन कराया जाता है, इन दोनों ने ही केवल रजिस्ट्री के दौरान अंगूठा लगाया था, इसके अलावा कहीं नहीं। रजिस्ट्री में दोनों के आधार नंबर भी दर्ज किए गए थे। दोनों का आरोप है कि बल्लभगढ़ तहसील के अधिकारी-कर्मचारियों ने उनके अंगूठे का स्कैन चोरी कर आधार नंबर के जरिए साइबर फ्रॉड कर उनके खाते से धन निकलवाया है। दोनों का यह भी दावा है कि उनकी ही तरह बल्लभगढ़ तहसील में रजिस्ट्री करवाने वाले अनेक अन्य लोगों के भी बैंक खातों से इसी तरह धन निकाला गया है।

दरअसल, बैंक सुविधा केंद्र पर आधार नंबर और अंगूठा स्कैन करके 24 घंटे में केवल दस हजार रुपये निकाले जा सकते हैं, इसलिए साइबर अपराधी उनके बैंक खातों से एक बार में इससे ज्यादा रकम

एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोकचन्द

नहीं निकाल सके। इन दोनों का सीधा आरोप है कि तहसील अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनका आधार नंबर और अंगूठे की छाप चोरी कर साइबर अपराध और ठगी की है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

पलवल में हो चुकी है ऐसी ही वारदात

रजिस्ट्री करने वालों के अंगूठे की छाप और आधार नंबर का इस्तेमाल कर उनके खाते से धन निकालने का खेल पलवल तहसील में भी हुआ था।

इस मामले में पलवल पुलिस ने जून 2021 में चार लोगों को पकड़ा था। यह गैंग पलवल तहसील के कर्मचारियों की मिलीभगत से लोगों की रजिस्ट्री में दर्ज अंगूठे की छाप का क्लोन तैयार करता था और आधार नंबर के जरिए उनके खातों से दस-दस हजार रुपये कर कई बार में लाखों रुपये निकाल लेता था। पुलिस ने इनके कब्जे से 186 अंगूठा क्लोन बरामद किए थे। इन लोगों ने करीब चार सौ रजिस्ट्रीकर्ताओं के खाते से 3.54 करोड़ रुपये निकाले थे।